सऊदी अरब के लिए हज यात्री

3284. **डा. अबरार अहमद खान:** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हज यात्रा के लिये कितने हज यात्रियों का गत वर्ष कूर्रे के माध्यम से चयन किया गया था तथा उनमें कितने हज यात्री अव्यवस्था के कारण हज यात्रा पर नहीं जा पाये तथा कितने यात्री कूर्रे द्वारा न चुने जाने पर भी अव्यवस्था के कारण हज यात्रा पर चले गये तथा सरकार ने इस प्रकार के यात्रियों की सुविधा के लिये क्या कदम उठाय हैं ;

(ख) क्या सरकार ने इस बात को ध्यान में रखते हुए कि भारत से जाने वाले हज यात्रियों को, जिन्हें काबा से दूर के स्थानों पर मकान उपलब्ध कराये गये थे, गत वर्ष मक्का में ठहरने के लिये बहुत अधिक धनराशि अदा करनी पड़ी थी, भारत से जाने वाले हज यात्रियों को इस वर्ष काबा के निकट सस्ती दरों पर रिहायशी मकान उपलब्ध कराने के लिय सऊदी अरब सरकार से बातचीत की है ; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके कारण हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० के० के० तिवारी) : (क) (i) हज, 1988 के लिये, "कूर्रे" के जरिये जिन यात्रियों का चयन किया गया था, उनकी कुल संख्या नीचे लिखे अनुसार है :—

समुद्री मार्ग से जाने वाले हज यात्री—	4450
हवाई जहाज से जाने वाले हज यात्री—	17451
कुल यात्री	21,901—

(ii) केन्द्रीय हज समिति से प्राप्त दावों के अनुसार हज उड़ानों की गड़बड़ी के कारण दिल्ली केन्द्र से केवल 409 हज यात्री 1988 की हज यात्रा पर नहीं जा सके । इन 409 हज यात्रियों में से जो 1989 में हज यात्रा करना चाहते हैं, उनके नाम कूर्रे की औपचारिकता निभाने बिना ही शामिल कर लिये गये हैं ।

(iii) सरकार को ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है कि कुछ हज यात्री कूर्रे में चुने जाने के बिना ही 1988 में हज यात्रा पर चले गये थे ।

(ख) और (ग) जी, हां । सरकार ने इन मामले को सऊदी हज प्राधिकारियों के साथ राजनयिक सूत्रों के जरिये ही उठाया है और इसके लिए विदेश राज्य मंत्री श्री के० के० तिवारी के नेतृत्व में एक मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधि-मण्डल भी भेजा था, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति शामिल थे : सर्वश्री इब्राहिम सुलेमान सेठ, संसद सदस्य (लोक सभा), मौलाना असद मदनी, संसद सदस्य (राज्य सभा) और सईदुल हसन, मंत्री, उत्तर प्रदेश शासन, एवं विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) ए०एस०गोंसालवेज । प्रतिनिधिमण्डल ने रियाद में 4 मार्च, 1989 को हज और औकफ के सऊदी मंत्री से मुलाकात की और सऊदी मंत्री ने बताया कि मक्का और मदीना दोनों ही जगहों पर हज यात्रियों के लिये किराये पर ली गयी इमारतों के किराये पर सरकार का नियंत्रण नहीं होता । तथापि, उन्होंने यह वायदा किया कि वे मक्का में मोअस्सासा (सम्बद्ध सऊदी हज संगठन) को यह सलाह देंगे कि वह भारतीय

हज यात्रियों के लिये ठहरने की जगह किराये पर देने से सम्बद्ध शर्तें जितना सम्भव हो सके, आसान रखें। अब सोआसासा ने कहा है कि वह मक्का में ठहरने के लिये किराये पर ली जाने वाली दो किस्म की जगहों के लिए किराये क्रमशः 1,200 सऊदी रियाल से घटाकर 1,150 सऊदी रियाल तथा 1000 सऊदी रियाल से घटाकर 9050 सऊदी रियाल कर देगा। प्रस्तावित जगह काबा के काफी पास है।

जलमार्ग से जाने वाले हज यात्री

3285. **डा० अबरार अहमद खान:** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि.

(क) आजादी के बाद किस वर्ष में हमारे देश से सबसे अधिक संख्या में यात्री हज यात्रा के लिये जल मार्ग द्वारा सऊदी अरब गये थे तथा उस वर्ष कितने आवेदन प्राप्त हुए थे और उन हज यात्रियों की तथा जल पोतों की संख्या कितनी-कितनी थी, जिनसे वे गये थे ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष हज यात्रा के लिये प्राप्त हुए आवेदनों की संख्या कितनी है और कितने यात्री जल पोतों से जलमार्ग द्वारा गये ;

(ग) क्या हज यात्रियों को अब तक दी जा रही विदेशी मुद्रा की राशि को बढ़ा दिया गया है, यदि हां, तो कितना और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ; और

(घ) प्रत्येक वर्ष हज यात्रा के लिये जा रहे यात्रियों की संख्या में कमी के कारण हैं, जबकि प्रत्येक हज यात्रा के लिये आवेदनों की संख्या बढ़ रही है।

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० के० के० तिवारी) : (क) सूचना एकत्र की जा रही है।

(ख) सूचना नीचे दी गयी है :—

वर्ष	जलयात्राओं की संख्या	हज यात्रियों की संख्या	प्राप्त आवेदनों की संख्या	जहाजों की संख्या
1	2	3	4	5
1989	3	4685	31,948	1
1987	3	4682	31,744	1
1988	3	4651	25,141	1

(ग) जी, नहीं। यदि यह आवश्यक पाया गया कि प्रति हज-यात्री विदेशी मुद्रा की राशि में बढ़ोत्तरी करना जरूरी है, तो इस पर विचार किया जायेगा।

(घ) यह कहना सही नहीं है कि हज-यात्रियों की संख्या हर वर्ष घटती जा रही है। सरकार केन्द्रीय हज समिति द्वारा प्रायोजित हज-यात्रियों के कोटे का समय-समय पर बढ़ाती रही है, जिसका ब्यौरा नीचे लिखे अनुसार है :

1979	18,000
1982	21,000
1986	23,000
1989	24,000